पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

हमारे साथ आज जो कुछ भी घटित हो रहा है, वो हमारी समझ के आधार से ही हो रहा है। हम मन द्वारा चमत्कार करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कहीं न कहीं कुछ मिस कर रहे हैं, जिससे चमत्कार हो तो जाता है, लेकिन उल्टा। हम ये नहीं कह रहे कि आप हमेशा ही उल्टा करते, लेकिन उसे यदि एक दिशा दी जाए तो चमत्कार सही दिशा में होगा।

हमारे सम्बन्धों से इन बातों को हम जोड़ने की कोशिश करते हैं कि आज हमारे सम्बन्ध इतने अभ्यास करने के बाद भी ठीक नहीं हो रहे, कि हम उनको सुनते भी हैं, समाते भी हैं, सहन भी करते हैं, लेकिन हमारा अनुभव हमें संतुष्टता प्रदान नहीं करता। आज हम इसके कारण को समझते हैं। देखिए हो क्या रहा है, कि आकर्षण के सिद्धान्त के अनुसार हम अपने आप को जो समझते हैं वही हम आकर्षित करते हैं, ये जगजाहिर है।

इस सिद्धान्त को यदि हम सम्बन्धों पर लागू करें तो क्या होगा? अब जो आप समझते हैं, वही तो आकर्षित करेंगे ना। अभी आप अपने आप को एक पत्नी समझेंगे या पति समझेंगे या पिता समझेंगे या पुत्र समझेंगे तो उसके अनुसार ही उन सम्बन्धों के विपरीत या समान लोग आपकी तरफ आयेंगे, और यही हो रहा है। हम अपने आप को जो समझ रहे हैं, वैसा ही व्यवहार हमारे साथ हो रहा है। जैसे आज पति-पत्नी के बीच सम्बन्ध ठीक नहीं हैं, अर्थात् जब पति अपने आप को पूरा पति समझता है, तो उसके विपरीत में तो पत्नी ही है, तो वो ही तो उससे बातचीत करेगी या लड़ेगी-झगड़ेगी, क्योंकि पति के साथ गहरा सम्बन्ध उसी का है,

और वही उस शब्द के साथ फिट बैठती है। अब देखो परमात्मा हमारे साथ चमत्कार कैसे करने के लिए कह रहा है।

आप देखो, आपके साथ ये घटना क्यों घट रही है, क्योंकि जब हम खुद को अपने शरीर या शरीर के सम्बंधियों के साथ जोड़ते हैं, तो हमारे साथ उन्हें सम्बंधों से तो परेशानी, दु:ख या तकलीफ मिलेगी, इसके पीछे का विज्ञान हमें समझना है कि जो हमारे साथ घट रहा है, उसे हम ही घटाने की कोशिश कर रहे हैं। ये अपने आप नहीं हो रहा है। इसको थोड़ा सा परिवर्तन करते हैं। यदि आप अपने आप को सीधे और सही तरीके से आत्मा समझ लो, अण्डरलाइन करो इस बात को, तो आपके साथ, आपकी अनुभूति के साथ, शांति, प्रेम, पवित्रता के साथ ही लोग जुड़ेंगे, ना कि शरीर के सम्बंधों के आधार से। बस आपको समझना है, महसूस करना है और आगे बढ़ना है। तो देखिए होता है या नहीं चमत्कार! सबकुछ बदल जाएगा बस समझ के आधार से।

कंप्यूटर और हमारी लाइफ़

कम्प्यूटर का ''सी'' हमें सिखाता है जीवन को जीने का सही नज़रिया। कम्प्यूटर से जुड़ी कुछ ऐसी बातें जिन्हें हम जीवन में अपना लें तो जीवन को जीने का अंदाज़ ही निराला हो सकता है। जिस तरह हम कम्प्यूटर का उपयोग प्रारंभ करते वक्त रिफ्रेश का बटन दबाते हैं, उसी तरह से अगर हम रोज़ की नकारात्मक बातों को मन से निकाल कर उसे रिफ्रेश कर लें तो जीना सुखद हो सकता है।

कम्प्यूटर हमारी किसी भी कमांड की अनसुनी नहीं करता। किंतु हम अपने सम्बन्ध सम्पर्क में आने वाले कितने लोगों की कितनी ही बातें टाल जाने की कोशिश में लगे रहते हैं, जिनसे आपसी

व्यवहार में कटुता पैदा होती है व हम अशांति को न्योता देते हैं। समय-समय पर हम अपने पी.सी. की डिस्क क्लीन करना, व्यर्थ की फाइलें व आइकन डिलीट करना नहीं भूलते, उसे डीफ्रिगमेंट भी करते हैं ।

इसी तरह यदि हम रोज़मर्रा के जीवन में भी यह साधारण सी बात अपना लें और अपने मन बुद्धि से व्यर्थ की घटनायें हटाते रहें तो हम सदैव सबके प्रति स्नेह पूर्ण व्यवहार कर पायेंगे, और इसका प्रतिबिम्ब हमारे चेहरे के भावों के रूप में रिफ्लेक्ट होगा, जैसे हमारे पी.सी. का मनोहर वॉलपेपर।

इन सबके अलावा एक बात है जिसे हमें जीवन में कभी नहीं अपनाना चाहिये, वह है किसी भी उपलब्धि को पाने का शॉर्ट कट। कॉपी, कट, पेस्ट जैसी सुविधायें कम्प्यूटर की अपनी विशेषतायें हैं। जीवन में ये शॉर्ट कट भले ही अति शीघ्र सफलतायें दिला दें पर स्थाई उपलब्धियां सच्ची मेहनत से ही मिलती हैं।

इसलिए सच्चाई के साथ जीवन यात्रा का आनन्द लेते रहें और अपनी हर उपलब्धि के लिए परमात्मा को धन्यवाद देते रहें।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ओ.आर.सी. तथा होण्डा मोटर साइकिल एवं स्कूटर के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम नूरपुर के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित 'नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर' के पश्चात् समूह चित्र में शिविर का लाभ लेने वालों के साथ पार्षद सुशील चौहान, चण्डीगढ़ से डॉ. दीपांजली, डॉ. दीपक पुरी, डॉ. अमन, डॉ. दुर्गेश तथा अन्य।

आस्का-ओडिशा। 'मेडिटेशन कैम्प' का उद्घाटन करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में बिपिन बिहारी नेगी,पोस्टल सुपरीन्टेंडेंट, बालेश्वर गिधी,आई.आई.सी., एम.तरिनी सेनापति,काउंसलर, प्रसन्ना दास,योग शिक्षक, ब्र.कु. हेमलता तथा ब्र.कु. प्रवाती।

कोटा-कुन्हाड़ी। सेवाकेन्द्र में बच्चों के चारित्रिक, नैतिक एवं बौद्धिक विकास हेतु आयोजित 'संस्कार समर कैम्प' में उपस्थित हैं राजस्थान पत्रिका के संपादक जग्गू भाई, ब्र.कु. उर्मिला तथा अन्य गणमान्य लोग।

गोरखपुर-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजित 'व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए जेल सुपरीन्टेंडेंट एस.के. शर्मा। साथ हैं ब्र.कु. पारुल तथा अन्य भाई बहनें।

झालरापाटन-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के बिज़नेस विंग द्वारा आयोजित 'एक शाम खुशियों के नाम' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए कपड़ा व्यापार संघ अध्यक्ष योगेश जी, ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. मीना तथा अन्य।

बहादुरगढ़-हरियाणा। 'स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम में सहयोग करते हुए ब्र.कु. बहनें एवं भाई।